OK

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1437 **F**

Unique Paper Code : 2052201201

Name of the Paper : Hindi kavita (Madhyakal Aur Aadhunikkal)

Type of the Paper : DSC-3

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) मैया, कबहिं बढ़ेगी चोटी ?

किती बार मोहिं दूध पियत भई, यह अजहुँ है छोटी ।

तू जो कहति बल की बेनी ज्यों, ह्वै है लांबी-मोटी ।

काढ़त-गुहत न्हवावत जैहै नागिनि सी भुइँ लोटी ।

काचौ दूध पियावति पचि पचि, देति न माखन- रोटी।

अथवा

सारदूल को स्वांग करि, कुकर की करतूति ।

तुलसी तापर चाहिए, कीरति विजय विभूति ।

बहु मुख, बहु रूचि, बहु वचन, बहु अचार व्यवहार ।

इनको भलो मनाइबो, यह अज्ञान अपार ।

(ख) जगत जनायौ जिहिं सकलु, सो हरि जान्यौ नाँह ।

ज्यों आँखिनु सबु देखियै, आँखि न देखी जाँहि ।

मकराकृत गोपाल कैं सोहत कुँडल कान ।

धरयौं मनौ हिय-घर समरू, डयौढ़ी लसत निसान ।

अथवा

अधरों में राग अमन्द पिये,

अलकों में मलयज किये -

तू अब तक सोई है आली ।

आँखों में भरे बिहाग री !

(ग) जीवन में मधु का प्याला था

तुमने तन मन दे डाला था

वह टूट गया तो टूट गया

मदिरालय का आँगन देखो
कितने प्याले हिल जाते हैं
गिर मिट्टी में मिल जाते हैं
जो गिरते हैं कब उठतें हैं
पर बोलो टूटे प्यालों पर
कब मदिरालय पछताता है
जो बीत गई सो बात गई

अथवा

मैं लिखता ही तो रहता हूँ दिन-रात
तो तरह-तरह के बन जाते हैं गीत,
जी, रूठ- रूठकर मन जाते हैं गीत,
जी, बहुत ढेर लग गया, हटाता हूँ,
ग्राहक की मर्जी, अच्छा जाता हूँ,
या भीतर जाकर पूछ आइए आप,
है गीत बेचना वैसे बिल्कुल पाप,
क्या करूँ मगर लाचार
हार कर गीत बेचता हूँ ।

2. पाठ्यक्रम में निर्धारित दोहों के आधार पर कबीर की भक्ति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

पाठ्यक्रम में दिए गए तुलसीदास के दोहों का सार लिखिए।

3. 'हिमालय के आँगन' में कविता का मूलभाव लिखिए। (15)

अथवा

'रईसों के सपूत' कविता का प्रतिपाद्य बताईए ।

4. 'उनको प्रणाम' कविता की मूल-संवेदना लिखिए। (15)

अथवा

'गीत फरोश' कविता में वर्णित व्यंग्य पर प्रकाश डालिए ।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (8,7)

(क) सूर का बाल-रूप वर्णन

(ख) बिहारी का साहित्यिक परिचय

(ग) 'जो बीत गयी सो बात गयी' का उद्देश्य

(घ) 'बीती विभावरी जाग री' कविता का काव्य-सौन्दर्य ।